अंक-134 कानपुर, रविवार 14 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आम के संरक्षित उत्पाद विषय पर ग्रामीण महिलाओं को दिया गया पांच दिवसीय प्रशिक्षण

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम फंदा में ग्रामीण महिलाओं को आम की संरक्षित उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि भारतीय आम कई तरह के आकार और रंग में आते हैं और इनमें कई तरह के स्वाद, सुगंध और स्वाद होते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय आम एक खास उत्पाद है जो उच्च गुणवत्ता और भरपूर पोषक तत्वों के मानकों को प्रमाणित करता है। उत्तर प्रदेश 25.76ब्र की हिस्सेदारी के साथ आम उत्पादन में पहले स्थान पर है और 2023-24 (द्वितीय अग्रिम अनुमान) में सबसे अधिक उत्पादकता है। एक आम रोजाना की आहार फाइबर की ज़रूरतों का 40 प्रतिशत तक पूरा कर सकता है - जो हृदय रोग, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल के निर्माण के खिलाफ एक शक्तिशाली रक्षक है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि यह फल पोटेशियम, बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट का भंडार है। किंतु आम सिर्फ गर्मी का फल है, अत: साल भर इसका स्वाद चखने के लिए इसके संरक्षित उत्पाद बनाने की जरूरत है 7 इसी क्रम में आम के विभिन्न उत्पाद जैसे, हींग का आचार, आम की मीठी चटनी, आम सुगर कैंडी, व आम हाजमा गोलियां इत्यादि तैयार करवाया गया7 प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की 35 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया 7 卐आई सी ए आर अटारी द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना बना कर कृषक एवं कृषक महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है जिसमें 100 दिन तक प्रति माह कम से कम 25 महिला/ पुरुषों व 25 युवक युवतियों का प्रशिक्षण कराया जाना है। उक्त प्रशिक्षण इसी संदर्भ में आयोजित किया गया था 7 कार्यक्रम के उद्घाटन केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया 7 कार्यक्रम में श्री शुभम यादव के साथ नीतू, दिव्या, मीनू, लौंगन देवी इत्यादि उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-196 लखनऊ व एटा से प्रकशित रविवार, 14 जुलाई 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

आम के संरक्षित उत्पाद विषय पर ग्रामीण महिलाओं को दिया गया पांच दिवसीय प्रशिक्षण

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम फंदा में ग्रामीण महिलाओं को आम की संरक्षित उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि भारतीय आम कई तरह के आकार और रंग में आते हैं और इनमें कई तरह के स्वाद, सुगंध और स्वाद होते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय आम एक खास उत्पाद है जो उच्च गुणवत्ता और भरपूर पोषक तत्वों के मानकों को प्रमाणित करता है। उत्तर प्रदेश 25.76ल्न की हिस्सेदारी के साथ आम उत्पादन में पहले स्थान पर है और 2023-24 (द्वितीय अग्रिम अनुमान) में सबसे अधिक उत्पादकता है। एक आम रोजाना की आहार फाइबर की ज़रूरतों का 40 प्रतिशत तक पूरा कर सकता है - जो ह्रदय रोग, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल के निर्माण के खिलाफ एक शक्तिशाली रक्षक है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि यह फल पोटेशियम, बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट का भंडार है। किंतु आम सिर्फ गर्मी का फल है, अत: साल भर इसका स्वाद चखने के लिए इसके संरक्षित उत्पाद बनाने की जरूरत है। इसी क्रम में आम के विभिन्न उत्पाद जैसे, हींग का आचार, आम की मीठी चटनी, आम सुगर कैंडी, व आम हाजमा गोलियां इत्यादि तैयार करवाया गया7 प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की 35 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। आई सी ए आर अटारी द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना बना कर कृषक एवं कृषक महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है जिसमें 100 दिन तक प्रति माह कम से कम 25 महिला/ पुरुषों व 25 युवक युवतियों का प्रशिक्षण कराया जाना है। उक्त प्रशिक्षण इसी संदर्भ में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया 7 कार्यक्रम में श्री शुभम यादव के साथ नीतू, दिव्या, मीनू, लौंगन देवी इत्यादि उपस्थित रहे।

आहार में शामिल करें एक आम, बीमारियों से बचाएगा

100 दिन तक प्रति माह 25 महिला और पुरुषों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

कानपुर, 13 जुलाई। आम के संरक्षित उत्पाद विषय पर ग्रामीण महिलाओं को दिया गया पांच दिवसीय प्रशिक्षण चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की ओर से ग्राम फंदा में ग्रामीण महिलाओं को आम की संरक्षित उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि भारतीय आम कई तरह के आकार और रंग में आते हैं और इनमें कई तरह के स्वाद, सुगंध और स्वाद होते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय आम एक खास उत्पाद है जो उच्च गुणवत्ता और भरपूर पोषक तत्वों के मानकों को प्रमाणित करता है। उत्तर प्रदेश 25.76 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ आम उत्पादन में पहले स्थान पर है। और 2023-24 (द्वितीय अग्रिम अनुमान) में सबसे अधिक उत्पादकता है। एक आम रोजाना की आहार फाइबर की ज़रूरतों का 40 प्रतिशत तक पूरा कर सकता है जो हृदय रोग, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल के निर्माण के खिलाफ एक शक्तिशाली रक्षक है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि यह फल पोटेशियम, बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट का भंडार है। किंतु आम सिर्फ गर्मी का फल है, अतः साल भर इसका स्वाद चखने के लिए इसके संरक्षित उत्पाद बनाने की जरूरत है 7 इसी क्रम में आम के विभिन्न उत्पाद जैसे, हींग का आचार, आम की मीठी चटनी, आम सुगर कैंडी, व आम हाजमा गोलियां इत्यादि तैयार करवाया गया7 प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की 35 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। आई सी ए आर अटारी द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना बना कर कृषक एवं कृषक महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है जिसमें 100 दिन तक प्रति माह कम से कम 25 महिला/ पुरुषों व 25 युवक युवतियों का प्रशिक्षण कराया जाना है। उक्त प्रशिक्षण इसी संदर्भ में आयोजित किया गया था। इस दौरान केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह, शुभम यादव के साथ नीतू, दिव्या, मीनू, लौंगन देवी आदि मौजूद रही।

परीक्षण करती ग्रामीण महिलायें।

हृदय रोग, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल के निर्माण के खिलाफ एक शक्तिशाली रक्षा कवच है आम

पानी का महत्व समझें करें वर्षा जल का संरक्षण

डीटीएनएन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि जो जल हमारे पास उपलब्ध है उस जल का 70त्न उपयोग कृषि कार्य में होता है। अतः हमारी जिम्मेदारी भी अधिक है कि वर्षा जल के संरक्षण के साथ-साथ जल के प्रबंधन एवं सिंचाई दक्षता की तकनीकों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण हेतु तकनीकी प्रबंधन में रबी फसलों की कटाई के उपरांत खेत की गहरी जुताई करना, कटी मेड़ों को बांधना, हरी खाद की बुवाई आदि कार्य के साथ जल संरक्षण हेतु मोटी मेड, छोटे खेत का प्रबंधन अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि विश्व में खेती में इस्तेमाल होने वाली जमीन 52त्न से अधिक जल अपवाह के प्रबंधन सही न होने पर क्षरीत होती है। वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी सभी समस्याएं देश के लिए चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है।वर्ष 2050 तक पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। खेती बाड़ी में जल प्रबंधन में क्षेत्र आधारित जल की उपलब्धता, विशेष जलवायु को विशेष फसल पद्धति सिंचाई जैसे सूक्ष्म सिंचाई,टपक सिंचाई व बौछारी सिंचाई को अपनाना होगा। जिसमें हर बूंद पानी का प्रयोग होता है। उन्होंने कहा देश में जल की कमी से अधिक जल के प्रबंधन की आवश्यकता है। जिसको हमारे कृषि विज्ञान

केंद्र व विश्वविद्यालय गांव-गांव, खेत-खेत तक तकनीकी पहुंचाने में कार्य कर रहे है। उन्होंने जोर देकर कहा कि माह जुलाई-अगस्त-सितंबर के 90 दिन का जल प्रबंधन भूजल स्तर को ऊपर उठा सकता है। जिससे हमें बाकी आठ से नौ माह पीने का पानी कम नहीं होगा। तालाब, पोखर भरे रहेंगे खेतों में नमी संरक्षित रहेगी परंतु 3 माह जल संरक्षण पर सतर्क रहना है।यदि हम वर्षा जल को संरक्षित कर लें,तो पूरे देश-प्रदेश में जलस्तर बढ़ने के साथ-साथ जल उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी।

Now access Dinar Times ePaper For FREE! Whatsapp 92195 22349 Send Messege Type EDT

पानी की हर बूंद का महत्व समझें,करें वर्षा जल का संरक्षण : डॉआनंद सिंह

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि जो जल हमारे पास उपलब्ध है उस जल का 70% उपयोग कृषि कार्य में होता है। अतः हमारी जिम्मेदारी भी अधिक है कि वर्षा जल के संरक्षण के साथ-साथ जल के प्रबंधन एवं सिंचाई दक्षता की तकनीकों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण हेतु तकनीकी प्रबंधन में रबी फसलों की कटाई के उपरांत खेत की गहरी जुताई करना, कटी मेड़ों को बांधना, हरी खाद की बुवाई आदि कार्य के साथ जल संरक्षण हेतु मोटी मेड, छोटे खेत का प्रबंधन अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि विश्व में खेती में इस्तेमाल होने वाली जमीन 52% से अधिक जल अपवाह के प्रबंधन सही न होने पर क्षरीत होती है। वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी सभी समस्याएं देश के लिए चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है।वर्ष 2050 तक पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। खेती बाड़ी में जल प्रबंधन में क्षेत्र आधारित जल की उपलब्धता, विशेष जलवायु को विशेष फसल पद्धति सिंचाई जैसे सूक्ष्म सिंचाई,टपक सिंचाई व बौछारी सिंचाई को अपनाना होगा। जिसमें हर बूंद पानी का प्रयोग होता है। उन्होंने कहा देश में जल की कमी से अधिक जल के प्रबंधन की आवश्यकता है। जिसको हमारे कृषि विज्ञान केंद्र व विश्वविद्यालय गांव-गांव, खेत-खेत तक तकनीकी पहुंचाने में कार्य कर रहे है। उन्होंने जोर देकर कहा कि माह जुलाई-अगस्त-सितंबर के 90 दिन का जल प्रबंधन भूजल स्तर को ऊपर उठा सकता है। जिससे हमें बाकी आठ से नौ माह पीने का पानी कम नहीं होगा। तालाब, पोखर भरे रहेंगे खेतों में नमी संरक्षित रहेगी परंतु 3 माह जल संरक्षण पर सतर्क रहना है।यदि हम वर्षा जल को संरक्षित कर लें,तो पूरे देश-प्रदेश में जलस्तर बढ़ने के साथ-साथ जल उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी।

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

नऊ, वर्षः 13, अंकः 195, पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com रविवार, 14 जुलाई 2024 शक सम्वत् 1946,

आम के संरक्षित उत्पाद विषय पर दिया प्रशिक्षण

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम फंदा में ग्रामीण महिलाओं को आम की संरक्षित उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि भारतीय आम कई तरह के आकार और रंग में आते हैं और इनमें कई तरह के स्वाद, सुगंध और स्वाद होते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय आम एक खास उत्पाद है जो उच्च गुणवत्ता और भरपूर पोषक तत्वों के मानकों को प्रमाणित करता है। उत्तर प्रदेश 25.76% की हिस्सेदारी के साथ आम उत्पादन में पहले स्थान पर है और 2023-24 (द्वितीय अग्रिम अनुमान) में सबसे अधिक उत्पादकता है। एक आम रोजाना की आहार फाइबर की ज़रूरतों का 40 प्रतिशत तक पूरा कर सकता है।

जो हृदय रोग, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल के निर्माण के खिलाफ एक शक्तिशाली रक्षक है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि यह फल

● भारतीय आम एक खास उत्पाद है जो उच्च गुणवत्ता और भरपूर पोषक तत्वों के मानकों को प्रमाणित करता हैः डॉ. निमिषा

पोटेशियम, बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट का भंडार है। किंतु आम सिर्फ गर्मी का फल है, अतः साल भर इसका स्वाद चखने के लिए इसके संरक्षित उत्पाद बनाने की जरूरत है। इसी क्रम में आम के विभिन्न उत्पाद जैसे, हींग का आचार, आम की मीठी चटनी, आम सुगर कैंडी, व आम हाजमा गोलियां इत्यादि तैयार करवाया गया। प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की 35 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। आई सी ए आर अटारी द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना बना कर कृषक एवं कृषक महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है जिसमें 100 दिन तक प्रति माह कम से कम 25 महिला/पुरुषों व 25 युवक युवतियों का प्रशिक्षण कराया जाना है। उक्त प्रशिक्षण इसी संदर्भ में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री शुभम यादव के साथ नीतू, दिव्या, मीनू, लौंगन देवी इत्यादि उपस्थित रहे।

39.0°
28.2°
www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD
खबरें एक्सप्रेस

कानपुरः रविवार
14 जुलाई, 2024

05

Daily Evening E-Paper

केंद्रों पर ई स्थापित

अस्पताल चक्कर

डिजिटल एक्सरे मशीन उपलब्ध करा ो गई हैं, इनकी स्थापना होने से रीजों को एक्सरे कराने के लिए रेशान नहीं होगा पड़ेगा।

शासन की ओर से सामुदायिक वास्थ्य केंद्रों में एडवांस तकनीक की शीन उपलब्ध कराई हैं, जो पूर्ण रूप पोर्टेबल है। पोर्टेबल होने की वजह सीएचसी में मशीन खुद चलकर रीज के बेड तक जाएगी और गंभीर रीज का एक्सरे उसी स्थान पर रेगी। इसके लिए मशीन के साथ ीएचसी में टेक्निशियन उपलब्ध हेंगे।

आरोप लगा किया हंगामा

खलाफ की नारेबाजी

ने कर्नलगंज थाना घेर लिया। मामले की जानकारी मिलते ही एसीपी कर्नलगंज महेश कुमार सर्किल की फोर्स संग मौके पर पहुंचे।

पानी की हर बूंद का महत्व समझें,करें वर्षा जल का संरक्षणः डॉ. आनंद कुमार सिंह

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि जो जल हमारे पास उपलब्ध है उस जल का 70% उपयोग कृषि कार्य में होता है। अतः हमारी जिम्मेदारी भी अधिक है कि वर्षा जल के संरक्षण के साथ-साथ जल के प्रबंधन एवं सिंचाई दक्षता की तकनीकों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण हेतु

तकनीकी प्रबंधन में रबी फसलों की कटाई के उपरांत खेत की गहरी जुताई करना, कटी मेड़ों को बांधना, हरी खाद की बुवाई आदि कार्य के साथ जल संरक्षण हेतु मोटी मेड, छोटे खेत का प्रबंधन अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि विश्व में खेती में इस्तेमाल होने वाली जमीन 52% से अधिक जल अपवाह के प्रबंधन सही न होने पर क्षरीत होती है। वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी सभी समस्याएं देश के लिए चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है।वर्ष 2050 तक पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। खेती बाड़ी में जल प्रबंधन में क्षेत्र आधारित जल की उपलब्धता, विशेष जलवायु को विशेष फसल पद्धति सिंचाई जैसे सूक्ष्म सिंचाई,टपक सिंचाई व बौछारी सिंचाई को अपनाना होगा। जिसमें हर बूंद पानी का प्रयोग होता है। उन्होंने कहा देश में जल की कमी से अधिक जल के प्रबंधन की आवश्यकता है। जिसको हमारे कृषि विज्ञान केंद्र व विश्वविद्यालय गांव-गांव, खेत-खेत तक तकनीकी पहुंचाने में कार्य कर रहे है। उन्होंने जोर देकर कहा कि माह जुलाई-अगस्त-सितंबर के 90 दिन का जल प्रबंधन भूजल स्तर को ऊपर उठा सकता है। जिससे हमें बाकी आठ से नौ माह पीने का पानी कम नहीं होगा। तालाब, पोखर भरे रहेंगे खेतों में नमी संरक्षित रहेगी परंतु 3 माह जल संरक्षण पर सतर्क रहना है। यदि हम वर्षा जल को संरक्षित कर लें,तो पूरे देश-प्रदेश में जलस्तर बढ़ने के साथ-साथ जल उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उई, कन्नौज, फतेहाबाद, एटा से प्रसारित

63 पृष्ठ-06, मूल्य रू0 2.00 कानपुर,रविवार 14 जुलाई,2024 (Email: up

महिलाओं को दिया पांच दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर। सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम फंदा में ग्रामीण महिलाओं को आम की संरक्षित उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि भारतीय आम कई तरह के आकार और रंग में आते हैं और इनमें कई तरह के स्वाद, सुगंध और स्वाद होते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय आम एक खास उत्पाद है जो उच्च गुणवत्ता और भरपूर पोषक तत्वों के मानकों को प्रमाणित करता है। उत्तर प्रदेश 25.76% की हिस्सेदारी के साथ आम उत्पादन में पहले स्थान पर है और 2023-24 (द्वितीय अग्रिम अनुमान) में सबसे अधिक उत्पादकता है। एक आम रोजाना की आहार फाइबर की जरूरतों का 40 प्रतिशत तक पूरा कर सकता है। जो हृदय रोग, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल के निर्माण के खिलाफ एक शक्तिशाली रक्षक है। इसी क्रम में आम के विभिन्न उत्पाद जैसे, हींग का आचार, आम की मीठी चटनी, आम सुगर कैंडी, व आम हाजमा गोलियां इत्यादि तैयार करवाया गयो प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की 35 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 16 कानपुर, रविवार 14 जुलाई 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

आम के उत्पादों पर महिलाओं को दिया गया पांच दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर । सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम फंदा में ग्रामीण महिलाओं को आम की संरक्षित उत्पादों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि भारतीय आम कई तरह के आकार और रंग में आते हैं और इनमें कई तरह के स्वाद, सुगंध और स्वाद होते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय आम एक खास उत्पाद है जो उच्च गुणवत्ता और भरपूर पोषक तत्वों के मानकों को प्रमाणित करता है। उत्तर प्रदेश 25.76त्न की हिस्सेदारी के साथ आम उत्पादन में पहले स्थान पर है और 2023-24 (द्वितीय अग्रिम अनुमान) में सबसे अधिक उत्पादकता है। एक आम रोजाना की आहार फाइबर की ज़रूरतों का 40 प्रतिशत तक पूरा कर सकता है। जो हृदय रोग, कैंसर और कोलेस्ट्रॉल के निर्माण के खिलाफ एक शक्तिशाली रक्षक है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि यह फल पोटेशियम, बीटा-कैरोटीन और एंटीऑक्सीडेंट का भंडार है। किंतु आम सिर्फ गर्मी का फल है, अतः साल भर

इसका स्वाद चखने के लिए इसके संरक्षित उत्पाद बनाने की जरूरत है 7 इसी क्रम में आम के विभिन्न उत्पाद जैसे, हींग का आचार, आम की मीठी चटनी, आम सुगर कैंडी, व आम हाजमा गोलियां इत्यादि तैयार करवाया गया7 प्रशिक्षण में ग्राम फंदा की 35 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया 7 卐आई सी ए आर अटारी द्वारा 100 दिवसीय कार्य योजना बना कर कृषक एवं कृषक महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है जिसमें 100 दिन तक प्रति माह कम से कम 25 महिला/ पुरुषों व 25 युवक युवतियों का प्रशिक्षण कराया जाना है। उक्त प्रशिक्षण इसी संदर्भ में आयोजित किया गया था 7 कार्यक्रम के उद्घाटन केंद्र के प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया 7 कार्यक्रम में श्री शुभम यादव के साथ नीतू, दिव्या, मीनू, लौंगन देवी इत्यादि उपस्थित रहे7